NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - निम्न में से ज्ञान का कौन सा क्षेत्र पतंजलि से जुड़ा है?

(A) गणित **(B) रसायन विज्ञान**

(C) भौतिक विज्ञान **(D) योग**

उत्तर - (D) योग

प्रश्न 2 – निम्न में से कौन प्राचीन ईरान का धर्म था ?

(A) बौद्ध **(B) यहूदी**

(C) पारसी **(D) ईसाई**

उत्तर - (C) पारसी

प्रश्न 3 - निम्न में से किस वर्ष में भारत ब्रिटिश वस्तुओं का एक उत्कृष्ट ग्राहक व इंग्लैंड को कच्चे माल का आपूर्तिकर्ता बन गया था?

(A) 1713 **(B) 1763**

(C) 1813 **(D) 1863**

उत्तर - (C) 1813

प्रश्न 4 - रामचरित मानस निम्न में से किस भाषा में लिखी गयी है?

(A) मराठी **(B) अवधी**

(C) गुजराती **(D) ब्रजभाषा**

उत्तर - (B) अवधी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 5 - अमीर खुसरो द्वारा निम्न में से कौन-सी भाषा का प्रयोग किया गया था?

(A) खड़ीबोली

(B) पंजाबी

(C) ब्रजभाषा

(D) अवधी

उत्तर - (A) खड़ीबोली

प्रश्न 6 - एक वाक्यांश में उत्तर दीजिये

पंजाबी प्रेम कहानियों ने किस प्रकार पंजाबी भाषा की वृद्धि में योगदान किया ?

उत्तर - हीर-रांझा जैसी प्रेम कहानियों ने पंजाबी भाषा को समृद्ध और अधिक लोकप्रिय बनाया।

प्रश्न 7 - कश्मीरी साहित्य को दीनानाथ नदीम ने किस प्रकार समृद्ध किया है ?

(A) भक्ति कवितायें लिखकर

(B) डरावनी कहानियाँ लिखकर

(C) इतिहास लिखकर

(D) निबंध लिखकर

उत्तर - (A) भक्ति कवितायें लिखकर

प्रश्न 8 - जहाँगीर के शासनकाल में चित्रकला क्यों फली फूली ?

(A) वह चित्रकारों का महान संरक्षक था

(B) वह स्वयं एक महान चित्रकार था

(C) वह चित्रकला का गहन निर्णायक था

(D) यह सभी

उत्तर - (D) यह सभी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 9 - औरंगजेब के राज्यकाल में चित्रकला का पतन क्यों हुआ ?

(A) क्योंकि राजकीय संरक्षण हटा लिया गया था

(B) क्योंकि चित्रकारों ने अपनी क्षमता खो दी थी

(C) क्योंकि समर्थ चित्रकार मर गये थे

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (A) क्योंकि राजकीय संरक्षण हटा लिया गया था

प्रश्न 10 - मैत्रायणी उपनिषद के अनुसार निम्न में से किस क्रिया से सर्वोच्च ज्ञान की प्राप्ति होती है?

(A) विद्या

(B) चिंतन

(C) तपस

(D) यह सभी

उत्तर - (C) तपस

प्रश्न 11 - पाली निम्न में से किस भाषा का एक प्रकार था ?

(A) संस्कृत

(B) प्राकृत

(C) तमिल

(D) मलयालम

उत्तर - (B) प्राकृत

प्रश्न 12 - इस्लामी शिक्षा के लिये मक़तब क्यों महत्वपूर्ण थे ?

(A) उच्च शिक्षा देने के लिये

(B) माध्यमिक शिक्षा देने के लिये

(C) विद्यालयी शिक्षा

(D) यह सभी

उत्तर - (C) विद्यालयी शिक्षा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 13 - 1813 के चार्टर एक्ट में ईस्ट इन्डिया कम्पनी ने एक लाख रुपये किस कार्य के लिये रखे थे ? सही कारण का चयन कीजिये।

(A) युरोपीय साहित्य तथा विज्ञान को बढ़ावा देने के लिये

(B) भारतीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये

(C) निर्धनों और बेसहारा लोगों की मदद के लिये

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (B) भारतीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये

प्रश्न 14 - प्राचीन भारत में उपनयन संस्कार किस लिये किया जाता था ?

(A) पारिवारिक जीवन को प्रारम्भ करने के लिये

(B) शिक्षा को प्रारम्भ करने के लिये

(C) वन के प्रस्थान के लिये

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (B) शिक्षा को प्रारम्भ करने के लिये

प्रश्न 15 - अठारहवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में समाज सुधारकों ने स्त्रियों से सम्बंधित सुधारों को क्यों प्राथमिकता दी ?

(A) वहाँ पर स्त्रियों से संबंधित सुधारों की कोई आवश्यकता न थी

(B) इस तरह की माँग को समझने में आधुनिक शिक्षा की कोई भूमिका न थी

(C) भारतीय व्यवस्था स्त्रियों के लिये अच्छी थी और यह माँग रूढ़िवादियों की ओर से की गयी थी

(D) स्त्रियों की दयनीय दशा को समझने की शक्ति आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने से आई

उत्तर - (D) स्त्रियों की दयनीय दशा को समझने की शक्ति आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने से आई

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 16 - प्रसिद्ध विक्रमशीला विश्वविद्यालय निम्न में से किस नदी के किनारे पर स्थित था ?

(A) सिन्धु
(B) ब्रह्मपुत्र
(C) गंगा
(D) नर्मदा

उत्तर - (C) गंगा

प्रश्न 17 - भारतीय और चीनी विद्वान चीनी रेशम मार्गों पर यात्रा क्यों करते रहते थे ?

(A) ज्ञान की खोज में
(B) बुद्ध की शिक्षाओं के प्रसार के लिये
(C) दोनों ही
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (C) दोनों ही

प्रश्न 18 - एक शब्द, एक नाम/एक वाक्यांश में उत्तर दीजिये।

लिखे हुये अक्षरों या मन्त्रों को जापानी भाषा में सित्तन क्यों कहते हैं?

उत्तर - क्योंकि यह संस्कृत शब्द 'सिद्धम' का जापानी उच्चारण है, जो एक लिपि है।

प्रश्न 19 - थोन्मी सम्भोट के भारत आने के सही कारण का चयन कीजिये।

(A) भारत के साथ राजनयिक संबंध सुदृढ़ करने के लिये
(B) भारतीय अर्थव्यवस्था के अध्ययन हेतु
(C) भारतीय कृषि पद्धतियों के अध्ययन हेतु
(D) बौद्ध साहित्य के अध्ययन हेतु

उत्तर - (D) बौद्ध साहित्य के अध्ययन हेतु

प्रश्न 20 - एक शब्द, एक नाम/एक वाक्यांश में उत्तर दीजिये।

वियतनाम के लोगों को 'चाम/चम' क्यों कहा जाता है ?

उत्तर - क्योंकि वे प्राचीन 'चम्पा' साम्राज्य के निवासी थे, जो भारतीय संस्कृति से प्रभावित था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - ब

प्रश्न 21 - सही कथन पर सही (✓) तथा गलत पर (X) चिह्न लगायें :

(a) 'संस्कृति' जीवन जीने का तरीका नहीं है।

(b) 'संस्कृति' हमारे सोचने और काम करने के तरीके का प्रतीक है।

उत्तर –

(a) गलत (X)

(b) सही (✓)

प्रश्न 22 - सही कथन पर सही (✓) तथा गलत पर (X) चिह्न लगायें :

(a) जब नये सांस्कृतिक गुण जुड़ते हैं तब कुछ ज्ञान, विचार और परम्परायें खो जाया करती हैं।

(b) समय के प्रवाह के साथ किसी विशेष संस्कृति के अन्दर सांस्कृतिक परिवर्तनों की संभावना होती है।

उत्तर –

(a) सही (✓)

(b) सही (✓)

प्रश्न 23 - खाली स्थान भरो :

मध्यकालीन शासकों ने कला तथा _________ के क्षेत्रों में बहुत अधिक रुचि दिखाई। ________ काल की मिश्रित साँस्कृतिक विशेषता कला एवं वास्तु कला के क्षेत्रों में स्पष्ट झलकती है।

उत्तर – वास्तुकला, मध्ययुगीन।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 24 - खाली स्थान भरो :

ईसाई ________ ईस्ट इंडिया कम्पनी के कर्मचारियों के साथ _________ कर्मकांडों के लिये भारत आये थे। ये कर्मकांड थे बपतिस्मा, विवाह, मुर्दों को दफनाना और चर्च में सेवा।

उत्तर – पुरोहित, धार्मिक।

प्रश्न 25 - दो छोटे वाक्यांशों में उत्तर दीजिये :

मध्यकाल में फारसी और उर्दू को राज्य का संरक्षण होते हुए भी हिन्दी में वृद्धि होती रहने के कोई दो कारण बताइये।

उत्तर -

(क) भक्ति संतों (जैसे कबीर, तुलसीदास) ने जन-भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग किया।

(ख) यह आम जनता की संपर्क भाषा थी।

प्रश्न 26 - दो छोटे वाक्यांशों में उत्तर दीजिये :

उन्नीसवीं शताब्दी में कश्मीर अच्छा साहित्य सृजन करने में कैसे पीछे रह गया ?

उत्तर -

(क) डोगरी शासक कश्मीरी की अपेक्षा डोगरी भाषा में अधिक रुचि लेते थे।

(ख) न तो वहाँ कोई विद्यालय था, और न ही शिक्षा की व्यवस्था थी।

प्रश्न 27 - दो छोटे वाक्यांशों में उत्तर दीजिये :

भारतीय भाषाओं के विकास में ईसाई धर्म प्रचारकों की क्या भूमिका थी? कोई दो बिंदु लिखो।

उत्तर –

(क) उन्होंने शब्दकोशों और व्याकरण की पुस्तकों को विभिन्न स्थानीय भाषाओं में प्रकाशित करवाया।

(ख) ईसाई धर्म प्रचारकों द्वारा स्कूल और कॉलेजों की स्थापना की गई।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 28 - (i) सर सैय्यद अहमद खान ने मुसलमानों को व्यापक सोच और सहिष्णु होने के लिए क्यों कहा?

(a) उन्हें आधुनिक विश्व में समायोजित होने में समक्ष बनाने के लिये

(b) उन्हें आधुनिक शिक्षा को स्वीकार करने में सक्षम बनाने के लिये

(c) उन्हें अपने विकास के लिये कार्य करने में सक्षम बनाने के लिये

(d) यह सभी

उत्तर - (d) यह सभी

(ii) सर सैय्यद अहमद खान ने अलीगढ़ में मुहम्मडन एन्गलो ओरियन्टल कॉलेज क्यों खोला था ?

(a) मुसलमानों को आधुनिक शिक्षा देने के लिये

(b) केवल धार्मिक पुस्तकें पढ़ाने के लिये

(c) परम्परागत कारीगर तैयार करने के लिये

(d) केवल धार्मिक उपदेशक बनाने के लिये

उत्तर - (a) मुसलमानों को आधुनिक शिक्षा देने के लिये

प्रश्न 29 - खाली स्थान भरिये :

__________ में धार्मिक सुधार उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में मुम्बई में प्रारम्भ हुए। 1851 में __________ मजदायासान सभा या धार्मिक सुधार संघ की स्थापना नौरोजी फ़र्दोन्जी, दादाभाई नौरोजी तथा एस एस बंगाली व अन्य के द्वारा की गयी।

उत्तर – पारसियों, रहनुमाई।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 30 - दो छोटे वाक्यांशों में उत्तर दीजिये :

पटचित्रों की कोई दो विशेषताएं संक्षेप में लिखिये।

उत्तर – पटचित्रों की कोई दो विशेषताएं :

(क) पटचित्र अधिकतर कपड़ों पर ही बनाए जाते है।

(ख) ये चित्र अधिक रंगीन और हिन्दू देवी-देवताओं से संबद्ध कथाओं को दर्शाते हैं।

प्रश्न 31 - स्तंभ-अ में दिये गये दो नामों को स्तंभ-ब में दिये गये उनके सही जोड़ों से मिलाइये।

दोनों स्तंभों में बचे हुए दो नाम जोडीदार, विकर्षक हैं।

स्तंभ-अ	**स्तंभ-ब**
गणित कौमुदी	फ़ैजी
लीलावती व्याख्या	हंसदेव
मृगपक्षिशास्त्र	नारायण पण्डित
तुजुक-ए-जहाँगीरी	चरक

उत्तर –

(क) गणित कौमुदी — नारायण पण्डित

(ख) मृग-पक्षी शास्त्र — हंसदेव

अन्य दो :

(क) लीलावती व्याख्या — गंगाधर

(ख) तुजुक-ए-जहाँगीरी — जहांगीर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 32 - खाली स्थान भरो :

____________ में शिक्षा एक व्यक्तिगत रुचि का विषय थी। शिक्षा का उद्देश्य शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना था। छात्र की अत्मोन्नति, आत्मतुष्टि एवं स्वयंपूर्ति के रूप में __________ के इस दृष्टिकोण से अपनी तकनीक, नियम और प्रणाली बनाये गये।

उत्तर – प्राचीन भारत , शिक्षा।

प्रश्न 33 - गुप्त काल में बौद्ध विहारों के रख-रखाव के लिये आवश्यक अनुदान प्रदान करने वाले कोई दो स्रोतों के नाम लिखिये।

उत्तर – गुप्त काल में बौद्ध विहारों को अनुदान देने वाले दो स्रोत :

(क) राजाओं द्वारा दी गई भूमि।

(ख) धनी व्यापारियों और श्रेणियों द्वारा दिया गया दान

प्रश्न 34 - सही कथन पर सही (✓) तथा गलत पर (✗) चिह्न लगायें: :

(a) धर्मशास्त्रों तथा स्मृतियों ने प्रत्येक जाति के कर्तव्यों को निर्धारित करने का प्रयास किया।

(b) जातियों के अन्दर संबंध सामान्यतः संगोत्र विवाहों, सहभोज तथा शिल्पकर्म की विशिष्टता पर आधारित नहीं थे।

उत्तर –

(a) सही (✓)

(b) गलत (✗)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 35 - चीन में सम्राट मिंग ती का शासन काल बौद्ध धर्म की अभिवृद्धि के लिये क्यों महत्वपूर्ण था ? कोई दो संक्षिप्त कारण बताइये।

उत्तर - दो कारण इस प्रकार हैं :

(a) उनके निमंत्रण पर ही दो महान भारतीय आचार्य-धर्मरक्षित और कश्यप मातंग-सन् 67 ई. में चीन गए थे।

(b) इन्हीं आचार्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और बौद्ध धर्म ने सर्वप्रथम चीन में प्रवेश किया, जिससे वहां धर्म और संस्कृति के आदान-प्रदान की नींव पड़ी।

खंड – स

प्रश्न 36 - उन दो कार्यों का उल्लेख कीजिये जिन्हें मुसलमानों ने भारत आने पर स्वयं को इस देश में समायोजित करने के लिये किया।

उत्तर - मुसलमानों ने भारत में स्वयं को समायोजित करने के लिए मुख्य रूप से ये दो कार्य किए :-

1. **वैवाहिक संबंध:** उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ अंतरजातीय विवाह किए और वैवाहिक गठबंधन स्थापित किए ।
2. **संस्कृति को अपनाना:** उन्होंने भारतीय संस्कृति को अपनाया और स्थानीय लोगों के साथ सद्भाव से रहने के लिए उनके विचारों और रीति-रिवाजों को स्वीकार किया ।

प्रश्न 37 - सूफ़ियों के धार्मिक विश्वासों का परीक्षण कीजिये।

उत्तर - सूफ़ी रहस्यवादी थे जो इस्लाम में उदारवाद और 'वहदत-उल-वजूद' (सभी जीवों की एकता) में विश्वास करते थे । उन्होंने धर्म को 'ईश्वर के प्रति प्रेम' और 'मानवता की सेवा' के रूप में परिभाषित किया । वे औपचारिक पूजा, कट्टरता और बाहरी दिखावे के विरोधी थे ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 38 - भारत के विकास में उच्च शिक्षा के महत्व की व्याख्या कीजिये। कोई दो बिंदु लिखिए।

उत्तर – भारत के विकास में उच्च शिक्षा के महत्त्व के दो बिंदु निम्नलिखित हैं :-

1. पं. जवाहरलाल नेहरू के अनुसार, यदि विश्वविद्यालय सुचारु रूप से चलते रहें तो देश का भविष्य सुरक्षित रहता है और आधुनिकीकरण होता है ।
2. तकनीकी रूप से प्रशिक्षित व्यक्तियों के माध्यम से यह देश के वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास में शक्ति का स्रोत रही है ।

अथवा

भारत में उच्च शिक्षा के सन्मुख कोई दो चुनौतियों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - भारत में उच्च शिक्षा की दो मुख्य चुनौतियाँ हैं :-

1. **कम नामांकन :** उच्च शिक्षा में 18 से 20 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों, विशेषकर महिलाओं और अनुसूचित जातियों/जनजातियों की संख्या अत्यंत कम है ।
2. **असमानता :** ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे स्तर की शिक्षा का अभाव है और विभिन्न कॉलेजों में सुविधाओं के स्तर में भारी अंतर मौजूद है।

प्रश्न 39 - भारत में उच्च शिक्षा के प्रसार में शिक्षा के अधिकार का नियम किस प्रकार सहायता करता है?

उत्तर – शिक्षा का अधिकार अधिनियम 6 से 14 वर्ष आयु के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करता है। इससे अधिक विद्यार्थी विद्यालयी शिक्षा पूरी कर 18–20 वर्ष की आयु में उच्च शिक्षा के योग्य बनते हैं, जिससे उच्च शिक्षा के प्रसार और सामाजिक समावेशन में सहायता मिलती है।

अथवा

परीक्षण कीजिये कि शिक्षा के अधिकार का नियम किस प्रकार विद्यालय प्रबंधन या स्थानीय अधिकारियों की सहायता से लागू किया जा सकता है ?

उत्तर - शिक्षा का अधिकार अधिनियम को विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। वे नामांकन सुनिश्चित करें, उपस्थिति पर निगरानी रखें, आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराएँ, ड्रॉप-आउट रोकें तथा वंचित बच्चों की पहचान कर समय पर सहायता प्रदान करें।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 40 - प्राचीन भारतीय समाज में अस्पृश्यता के प्रारम्भ की व्याख्या कीजिये।

उत्तर – वैदिक काल में समाज चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) में विभाजित हो गया था। यह विभाजन समय के साथ वंशानुगत और अत्यंत कठोर हो गया। शूद्रों (कारीगरों और मजदूरों) को निम्न स्थान मिला और व्यवसाय बदलना कठिन हो गया। इसी कठोर जाति व्यवस्था ने समाज में भेदभाव और अस्पृश्यता की नींव रखी।

अथवा

आधुनिक काल में अस्पृश्यता उन्मूलन के लिये किये गये प्रयासों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - आधुनिक काल में महात्मा गांधी ने अछूतों को 'हरिजन' कहा और उन्हें मंदिरों में प्रवेश दिलाने के लिए संघर्ष किया, जबकि बी.आर. अंबेडकर ने उनके लिए स्कूल-कॉलेज खोले। ज्योतिबा फुले ने 'सत्य शोधक समाज' के जरिए सामाजिक न्याय की मांग की। अंततः, स्वतंत्र भारत के संविधान ने अस्पृश्यता को एक दंडनीय अपराध घोषित किया।

खंड – द

प्रश्न 41 - कोई तीन कार्यों की व्याख्या कीजिये जिनके द्वारा राजा राममोहन राय स्त्रियों की दशा सुधारना चाहते थे ?

उत्तर – राजा राममोहन राय द्वारा स्त्रियों की दशा सुधारने के तीन कार्य :-

1. **सती प्रथा का विरोध :** उन्होंने सती प्रथा के खिलाफ कड़ी लड़ाई लड़ी और अंततः कानूनन इसे बंद करवाया।
2. **धार्मिक किताबों का प्रमाण :** उन्होंने धार्मिक ग्रंथों का हवाला देकर साबित किया कि महिलाओं को दुख देने वाली इन प्रथाओं को धर्म की कोई मंजूरी नहीं मिली है।
3. **समानता का संदेश :** उन्होंने समाज में तर्क और समानता का संदेश फैलाया, जिससे महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को कम करने में मदद मिली।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उन तीन सामाजिक कुरीतियों की व्याख्या कीजिये जिन्हें ब्रह्मो समाज समाप्त करना चाहता था।

उत्तर - तीन सामाजिक बुराइयाँ जिन्हें 'ब्रह्मो समाज' खत्म करना चाहता था :-

1. **सती प्रथा :** इस समाज का सबसे प्रमुख लक्ष्य सती प्रथा जैसी अमानवीय कुप्रथा को समाज से मिटाना था।
2. **मूर्ति पूजा :** ब्रह्मो समाज के अनुयायी मूर्ति पूजा के सख्त खिलाफ थे और इसे खत्म करना चाहते थे।
3. **कर्मकांड और बहुदेववाद :** वे बेकार के रीति-रिवाजों (कर्मकांडों) और बहुत सारे देवी-देवताओं की पूजा (बहुदेववाद) को समाप्त कर, केवल 'एक ईश्वर' की पूजा में विश्वास रखते थे ।

प्रश्न 42 - लोक संगीत हमारी विरासत का एक महत्वपूर्ण भाग क्यों है? तीन कारण बताइये।

उत्तर – लोक संगीत हमारी विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इसलिए है क्योंकि :-

1. **जनमानस की भावनाएँ :** यह आम जनता की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इसके सरल गीत जीवन के हर घटनाक्रम जैसे त्योहारों, ऋतुओं के आगमन, विवाह या बच्चे के जन्म को चिह्नित करने के लिए रचे जाते हैं ।
2. **ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व :** लोक गीतों के विशेष अर्थ होते हैं और वे अक्सर ऐतिहासिक घटनाओं और महत्वपूर्ण अनुष्ठानों का वर्णन करते हैं ।
3. **व्यापक लोकप्रियता :** यह पूरे भारत में लोकप्रिय है, जैसे राजस्थान का मांड, बंगाल का भटियाली और हरियाणा की रागिनी, जो सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं ।

प्रश्न 43 - उन तीन देशों/क्षेत्रों के नाम लिखिये जिनसे मध्यकाल में विद्वजन भारतीय मदरसों में पढ़ाने के लिये बुलाये जाते थे।

उत्तर – मध्यकाल में भारतीय शिक्षा प्रणाली पर बाहरी क्षेत्रों का गहरा प्रभाव था और विद्वानों का आदान-प्रदान होता था। इस संदर्भ में निम्नलिखित तीन प्रमुख क्षेत्रों/देशों का उल्लेख किया गया है :-

1. समरकन्द
2. बुखारा
3. ईराक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 44 - जीवन साथी की संख्या पर आधारित तीन प्रकार के विवाहों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - जीवनसाथी की संख्या के आधार पर विवाह तीन प्रकार के होते हैं :-

1. **एकविवाह :** इसमें एक व्यक्ति एक समय में केवल एक ही व्यक्ति से विवाह करता है। यह समाज में सबसे सामान्य रूप है ।
2. **बहुपत्नी विवाह :** इसमें एक पुरुष की एक से अधिक पत्नियाँ होती हैं। प्राचीन काल में धनी और शक्तिशाली लोग राजनीतिक गठबंधन या पुत्र प्राप्ति के लिए ऐसा करते थे ।
3. **बहुपति विवाह :** इसमें एक महिला के एक से अधिक पति होते हैं (जैसे द्रौपदी)। इसमें अक्सर महिला भाइयों के समूह से विवाह करती है ।

अथवा

भारत के हिन्दुओं में माता-पिता के द्वारा तय किये गये विवाह के लिये पूर्व शर्तों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - पारंपरिक रूप से माता-पिता द्वारा तय किए गए विवाहों के लिए मुख्य शर्तें निम्नलिखित थीं :-

1. **समान जाति :** माता-पिता आमतौर पर वर और वधू का चयन अपनी ही जाति के भीतर से करते थे ।
2. **गोत्र और प्रवर :** उच्च जाति (द्विज) के लोग शादी करते समय यह ध्यान रखते थे कि वर और वधू का गोत्र और प्रवर अलग हो। प्रवर के नियम के अनुसार, पिता की ओर सात पीढ़ियों और माता की ओर पांच पीढ़ियों तक के अपने-रक्त संबंधियों से शादी नहीं की जा सकती थी।
3. **कुंडली/ज्योतिष :** माता-पिता अक्सर विवाह तय करने से पहले वर और वधू की जन्म कुंडली और गुणों का मिलान करते हैं।

प्रश्न 45 - विभिन्न कालों में भारत के समुद्र में जाने वाले नाविकों का विवरण लिखिये।

उत्तर – प्राचीन काल से ही भारतीय नाविक साहसी और कुशल थे। उनका विवरण इस प्रकार है :

1. **हड़प्पा काल :** सबसे शुरुआती प्रमाण हड़प्पा काल में मिलते हैं, जब भारतीय नाविक समुद्र के रास्ते मेसोपोटामिया तक जाते थे और उनके साथ गहरे व्यापारिक संबंध स्थापित किए थे ।

2. **मौर्य काल :** मौर्य काल के दौरान नाविकों ने तकनीक का सहारा लिया। वे दिशाओं को जानने के लिए नक्षत्रों (खगोल विज्ञान) का अध्ययन करते थे, जिससे लंबी समुद्री यात्राओं में उन्हें बहुत सहायता मिलती थी ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **चोल साम्राज्य :** दक्षिण भारत में चोल शासकों ने एक अत्यंत शक्तिशाली नौसेना तैयार की थी। इसी के बल पर उनके नाविकों ने सुदूर इंडोनेशियाई द्वीपों तक विजय प्राप्त की और वहाँ भारतीय संस्कृति का प्रसार किया।

अथवा

भारत के प्राचीन काल में दूरस्थ देशों से सम्पर्क का विवरण लिखिये।

उत्तर – प्राचीन भारत का संपर्क विश्व के कई महान देशों के साथ था, जिसे हम तीन मुख्य रूपों में देख सकते हैं:

1. **प्रारंभिक व्यापारिक संपर्क:** सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही भारत के लोग मेसोपोटामिया के साथ समुद्री व्यापार करते थे । इसके अलावा, प्राचीन काल में रोम साम्राज्य के साथ भी भारत के समृद्ध व्यापारिक रिश्ते थे ।

2. **साम्राज्य और कूटनीतिक संबंध:** मौर्य और गुप्त काल के दौरान भारत ने चीन, मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ गहरे सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंध बनाए रखे ।

3. **धर्म और संस्कृति का प्रसार:** बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत का संपर्क श्रीलंका, जापान और कोरिया जैसे देशों से हुआ, जहाँ भारतीय संस्कृति और विचारों का आदान-प्रदान हुआ ।

खंड – ई

प्रश्न 46 - 'संस्कृति' की अवधारणा का वर्णन कीजिये।

उत्तर - 'संस्कृति' शब्द लैटिन शब्द 'cult' या 'cultus' से लिया गया है, जिसका मतलब है पालन-पोषण या परिष्कृत करना। संस्कृत में इसे संस्कृति कहते हैं, जो 'कृ' धातु से बना है, मतलब किसी चीज़ को इतना सुधारना कि वह प्रशंसा के योग्य हो जाए।

संस्कृति का अर्थ बहुत व्यापक है :

1. **जीवन जीने का तरीका:** संस्कृति जीवन जीने का ढंग है। इसमें हमारा खाना, कपड़े, भाषा, धर्म, व्यवहार और रीति-रिवाज शामिल हैं। यह हमारे सोचने और काम करने का तरीका दिखाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **मानव-निर्मित परिवेश:** यह वह वातावरण है जो मनुष्य ने बनाया है, जिसमें भौतिक (खाना, कपड़े) और अभौतिक (विचार, आदर्श, विश्वास) उत्पाद शामिल हैं, और पीढ़ी दर पीढ़ी पास होते हैं।
3. **सीखा हुआ व्यवहार:** संस्कृति जन्मजात नहीं होती, बल्कि परिवार और समाज से सीखकर अर्जित की जाती है।
4. **परिवर्तनशीलता:** संस्कृति स्थिर नहीं रहती। समय के साथ इसमें नए विचार और तकनीकें जुड़ती रहती हैं, और यह बदलती रहती है।

प्रश्न 47 - मध्यकाल में संगीत के विकास का परीक्षण कीजिये।

उत्तर - मध्यकाल भारतीय संगीत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दौर था, जहाँ संगीत का अभूतपूर्व विकास हुआ। इस काल में संगीत के विकास के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं :-

1. **दो परंपराओं का उदय :** इस काल में भारतीय शास्त्रीय संगीत स्पष्ट रूप से दो धाराओं में विभाजित हो गया, उत्तर भारत में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत और दक्षिण भारत में कर्नाटक संगीत ।
2. **अमीर खुसरो का योगदान :** दिल्ली सल्तनत के दौरान अमीर खुसरो ने संगीत के विकास में बड़ी भूमिका निभाई। उन्हें सितार और तबला के आविष्कार और कई नए रागों को पेश करने का श्रेय दिया जाता है ।
3. **भक्ति और सूफी आंदोलन :** सूफी संतों ने खानकाहों में कव्वाली और भक्ति संतों (जैसे कबीर, मीराबाई, सूरदास, तुलसीदास) ने कीर्तन और भजन के माध्यम से संगीत को लोकप्रिय बनाया ।
4. **मुगल संरक्षण और तानसेन :** मुगल शासक संगीत के महान संरक्षक थे। अकबर के नवरत्नों में शामिल तानसेन इस काल के सर्वश्रेष्ठ संगीतकार थे। उन्होंने 'मेघ राग' जैसी रचनाएँ कीं। ध्रुपद, धमार और ख्याल जैसी शैलियों का विकास इसी समय हुआ ।
5. **घराना व्यवस्था:** संगीत की विशिष्ट शैलियों को गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से संरक्षित करने के लिए 'घराना' व्यवस्था की शुरुआत हुई (जैसे ग्वालियर और जयपुर घराना)।

प्रश्न 48 - स्वामी रामकृष्ण परमहन्स के जीवन तथा कार्यों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - स्वामी रामकृष्ण परमहंस आधुनिक भारत के महान संतों में से एक थे। उनके जीवन और कार्यों को निम्नलिखित 5 बिंदुओं में समझा जा सकता है :-

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. **प्रारंभिक जीवन और ईश्वर भक्ति:** उनका जन्म 1836 में एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में हुआ था । उनकी औपचारिक शिक्षा बहुत कम थी, लेकिन उन्होंने अपना पूरा जीवन ईश्वर की साधना और भक्ति में समर्पित कर दिया ।
2. **सर्वधर्म समभाव का संदेश:** उनका दृढ़ विश्वास था कि ईश्वर तक पहुँचने के रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है । उन्होंने सभी धर्मों की एकता पर बल दिया और सांप्रदायिकता का विरोध किया।
3. **मानव सेवा ही ईश्वर सेवा:** उनका सबसे प्रमुख संदेश था 'जीवे शिव' यानी 'मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है'। उन्होंने मानवता में दिव्यता को पहचाना और मोक्ष प्राप्ति के लिए दीन-दुखियों की सेवा को अनिवार्य बताया ।
4. **स्वामी विवेकानंद का मार्गदर्शन:** उनके सबसे महान कार्यों में से एक था उनके शिष्य नरेंद्र नाथ दत्त (स्वामी विवेकानंद) को तैयार करना । विवेकानंद ने ही उनके संदेशों को पूरी दुनिया में फैलाया ।
5. **संस्थागत विरासत (रामकृष्ण मिशन):** उनके आदर्शों 'दरिद्र नारायण की सेवा' को व्यावहारिक रूप देने के लिए स्वामी विवेकानंद ने 1897 में 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की, जो आज भी शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत है ।

प्रश्न 49 - प्राचीन भारत में नाटक के उद्भव तथा विकास की विवेचना कीजिये।

उत्तर - प्राचीन भारत में नाटक की परंपरा अत्यंत समृद्ध और पुरानी है। इसके विकास के प्रमुख चरण इस प्रकार हैं :-

1. **वैदिक और पौराणिक मूल:** भारतीय नाटक का उद्भव वेदों से माना जाता है, जहाँ संवाद सूक्तों में इसके प्रारंभिक संकेत मिलते हैं । रामायण और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी नाटक मंडलियों का उल्लेख मिलता है ।
2. **भरत मुनि का नाट्यशास्त्र:** नाटक का विधिवत और वैज्ञानिक विकास भरत मुनि के 'नाट्यशास्त्र' से हुआ। इसे 'पंचम वेद' भी कहा जाता है और यह नाटक कला का सबसे प्रामाणिक ग्रंथ है।
3. **प्रारंभिक नाटककार और समुदाय:** दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में पतंजलि ने 'कंसवध' जैसे नाटकों का उल्लेख किया। उस समय 'शैलूष' जैसी पेशेवर नाटक कंपनियाँ और 'कुशीलव' जैसे गायक इसे जन-जन तक पहुँचाते थे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4. **महाकवि भास का योगदान:** महाकवि भास ने रामायण और महाभारत पर आधारित 'स्वप्नवासवदत्ता' जैसे 13 प्रसिद्ध नाटक लिखे, जिन्होंने भारतीय नाट्य कला को एक ठोस आधार दिया।

5. **कालिदास और स्वर्ण युग:** गुप्त काल में कालिदास के 'अभिज्ञानशाकुंतलम' जैसे नाटकों ने इस कला को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाया। उस समय नाटकों में संस्कृत और प्राकृत दोनों भाषाओं का प्रयोग सामाजिक स्थिति के अनुसार किया जाता था।

अथवा

भारत के वर्णन के अनुसार वृतांत नाटक की विवेचना कीजिये।

उत्तर - भरत मुनि ने अपने ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' में नाटक का विस्तृत और वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया है :-

1. **संचार का माध्यम:** भरत मुनि के अनुसार नाटक केवल मनोरंजन नहीं बल्कि जन-शिक्षा और संचार का एक आदर्श माध्यम है।

2. **नाटक के अंग:** उन्होंने नाटक के अंगों में नट-नटी (कलाकार), संगीत, नृत्य, संवाद और विषय-वस्तु के उचित समन्वय पर जोर दिया।

3. **प्रेक्षागृह (थिएटर) की अवधारणा:** उन्होंने नाटकों के सफल मंचन के लिए एक विशेष बंद स्थान या 'प्रेक्षागृह' का विवरण दिया, जहाँ दर्शकों के बैठने और ध्वनि की उचित व्यवस्था हो ।

4. **रस सिद्धांत:** भरत मुनि ने 'रस' की अवधारणा दी, जिसमें अभिनय के माध्यम से विभिन्न भावनाओं को दर्शकों तक पहुँचाने का शास्त्रीय तरीका बताया गया है ।

5. **व्यवस्थित शास्त्र:** उनके अनुसार नाटक एक व्यवस्थित शास्त्र है। उन्होंने स्वयं 'असुर पराजय' जैसे नाटकों की रचना कर इसे व्यावहारिक रूप में प्रदर्शित किया ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 50 - प्रारम्भ से भारत के राष्ट्रपति पद तक की लम्बी दूरी डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने किस प्रकार तय की थी ?

उत्तर - डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। डॉ. कलाम की यात्रा एक साधारण बालक से देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचने की प्रेरणादायक कहानी है :-

1. **साधारण शुरुआत और शिक्षा:** तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे कलाम ने संघर्षों के बीच अपनी शिक्षा पूरी की । उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिग्री ली ।
2. **अंतरिक्ष में सफलता (ISRO):** 1963 में इसरो (ISRO) से जुड़कर उन्होंने भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान (SLV-3) का सफलतापूर्वक विकास किया, जिससे भारत अंतरिक्ष क्लब में शामिल हुआ ।
3. **रक्षा क्षेत्र में क्रांति (DRDO):** 1982 में DRDO के निदेशक के रूप में उन्होंने 'एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम' (IGMDP) का नेतृत्व किया और भारत को मिसाइल शक्ति बनाया ।
4. **सर्वोच्च नागरिक सम्मान:** विज्ञान और देश की सेवा के लिए उन्हें 1997 में भारत के सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया ।
5. **जनता के राष्ट्रपति:** अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों और बेदाग छवि के कारण वे 2002 में भारत के 11वें राष्ट्रपति बने । उन्हें आज भी 'जनता का राष्ट्रपति' (People's President) कहा जाता है।

अथवा

भारत को प्रतिरक्षा तथा अन्तरिक्ष के क्षेत्रों में सबल बनाने में डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की भूमिका का परीक्षण कीजिये।

उत्तर - भारत को अंतरिक्ष और प्रतिरक्षा क्षेत्रों में शक्तिशाली बनाने में डॉ. कलाम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है :-

1. **ISRO और SLV-3:** डॉ. कलाम ने भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान का नेतृत्व किया, जिसने 'रोहिणी' उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया।
2. **मिसाइल मैन की उपाधि:** उन्होंने IGMDP कार्यक्रम के तहत पाँच महत्वपूर्ण मिसाइलें- पृथ्वी, त्रिशूल, आकाश, नाग और 'अग्नि' विकसित कीं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **अग्नि मिसाइल का गौरव:** 'अग्नि' मिसाइल के सफल परीक्षण ने भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों में खड़ा कर दिया जिनके पास लंबी दूरी की मारक क्षमता है।

4. **प्रतिरक्षा में आत्मनिर्भरता:** उनके प्रयासों से भारत रक्षा के क्षेत्र में विदेशों पर निर्भरता कम कर आत्मनिर्भर बना।

5. **तकनीकी विजन:** उन्होंने न केवल मिसाइलें बनाईं बल्कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 'विज़न 2020' जैसा रोडमैप भी दिया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

OCTOBER-2025

Your Path to Success

खंड - क

प्रश्न 1. हमारा पहनावा हमारी संस्कृति के किस विशेष उप-विभाग (घटक) में आता है ?

(A) अभौतिक संस्कृति **(B) भौतिक संस्कृति**

(C) उच्च संस्कृति **(D) मूर्त संस्कृति**

उत्तर – (B) भौतिक संस्कृति

प्रश्न 2. 'तमाशा' नृत्य नाट्य का एक रूप भारत के किस राज्य से संबंधित है ?

(A) पंजाब **(B) जम्मू तथा कश्मीर**

(C) महाराष्ट्र **(D) बंगाल**

उत्तर – (C) महाराष्ट्र

प्रश्न 3. संत नारायन गुरु भारत के किस राज्य से थे ?

(A) केरल **(B) महाराष्ट्र**

(C) ओडिशा **(D) राजस्थान**

उत्तर – (A) केरल

प्रश्न 4. निम्न में से किस समाज सुधारक ने शुद्धि आंदोलन आयोजित किया ?

(A) राजा राममोहन राय **(B) ज्योतिबा फूले**

(C) स्वामी दयानंद सरस्वती **(D) स्वामी रामकृष्ण परमहंस**

उत्तर – (C) स्वामी दयानंद सरस्वती

प्रश्न 5. भारतीय शास्त्रीय संगीत में सबसे अधिक प्रयोग किया जाने वाला वाद्य यंत्र कौन सा है ?

(A) गिटार **(B) तबला**

(C) वायलिन **(D) बाँसुरी**

उत्तर – (B) तबला

प्रश्न 6. सदासुख लाल क्यों जाने जाते हैं ?

(A) हिन्दी साहित्य में उनके योगदान के लिये **(B) पंजाबी साहित्य में उनके योगदान के लिये**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) मराठी साहित्य में उनके योगदान के लिये **(D) तमिल साहित्य में उनके योगदान के लिये**

उत्तर – (A) हिन्दी साहित्य में उनके योगदान के लिये

प्रश्न 7. 'क़ाजी नज़रुल इस्लाम' की प्रसिद्धि के लिये निम्नलिखित में से कौन सा कारण उत्तरदायी है ?

(A) वीरता **(B) न्यायिक सुधार**

(C) स्थापत्य संबंधी उपलब्धियाँ **(D) कविता**

उत्तर – (D) कविता

प्रश्न 8. यूरोपीय लोगों के भारत आने से भारतीय भाषायें किस प्रकार समृद्ध हुईं ?

(A) उनके व्याकरण को स्वीकार कर **(B) अपनी भाषाओं को पूर्णतः बदलकर**

(C) उनकी भाषाओं से नये शब्द लेकर **(D) संस्कृत शब्दों को बढ़ाकर**

उत्तर – (C) उनकी भाषाओं से नये शब्द लेकर

प्रश्न 9. स्वामी श्रद्धानन्द ने हरिद्वार के निकट एक गुरुकुल क्यों प्रारम्भ किया था ?

(A) शिक्षा के परम्परागत विचारों के प्रचार के लिये **(B) कृषि के ज्ञान के प्रचार के लिये**

(C) धातुकर्म के ज्ञान के प्रचार के लिये **(D) चट्टानों के ज्ञान के प्रचार के लिये**

उत्तर – (A) शिक्षा के परम्परागत विचारों के प्रचार के लिये

प्रश्न 10. स्वामी विवेकानन्द के अनुसार, मुक्ति (मोक्ष) किस प्रकार पायी जा सकती है ?

(A) धार्मिक कार्यों में लिप्त होकर **(B) मनुष्य जाति की सेवा करके**

(C) तपस्या करके **(D) रीतियों का अनुसरण करके**

उत्तर – (B) मनुष्य जाति की सेवा करके

प्रश्न 11. कलमकारी चित्रकला निम्नलिखित में से किस सतह पर बनायी जाती हैं ?

(A) दीवार **(B) कागज**

(C) फर्श **(D) कपड़ा**

उत्तर – (D) कपड़ा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 12. नुक्कड़ शब्द निम्नलिखित में से किस प्रकार की कला से जुड़ा है ?

(A) चित्रकला **(B) मूर्तिकला**

(C) नाटक **(D) गायन**

उत्तर – (C) नाटक

प्रश्न 13. 'गणितकौमुदी' तथा 'बीजगणितवतंस' किसने लिखी थीं ?

(A) नरसिंह दैवज्ञ **(B) नारायन पंडित**

(C) गंगाधर **(D) नीलकन्ठ सोमसुतवान**

उत्तर – (B) नारायन पंडित

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से कौन सी पुस्तक बारूद बनाने का सूत्र बताती है ?

(A) शुक्रनीति **(B) लीलवती कर्मदीपिका**

(C) बुद्धिविलासिनी **(D) तन्त्रसंग्रह**

उत्तर – (A) शुक्रनीति

प्रश्न 15. श्रीनिवास अयंगार रामानुजन को क्यों जाना जाता है ?

(A) उनके साहित्यिक कार्यों के लिये **(B) उनके संगीत से संबंधित कार्यों के लिये**

(C) उनके प्रशासनिक कौशल के लिये **(D) उनकी गणितीय विलक्षण बुद्धि के लिये**

उत्तर – (D) उनकी गणितीय विलक्षण बुद्धि के लिये

प्रश्न 16. एक महान वैज्ञानिक होते हुये भी डॉक्टर सी.वी. रमन ने विभिन्न संगीत वाद्यों की कार्य प्रणाली पर कार्य करना क्यों प्रारम्भ किया ?

i. क्योंकि संगीत उनके परिवार में पसंद किया जाता था ।

ii. क्योंकि संगीत की उनके परिवार में अनुमति नहीं थी ।

iii. क्योंकि वह संगीत को प्यार करते थे ।

iv. क्योंकि वह अन्य स्थानों पर अपनी वृत्ति के बारे में निश्चित नहीं थे ।

निम्नलिखित में से सही कथनों का चयन कीजिए :

(A) i एवं ii **(B) i एवं iii**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) i एवं iv **(D) iii एवं iv**

उत्तर – (B) i एवं iii

प्रश्न 17. क्रेस्कोग्राफ का महत्त्व निम्नलिखित में से कौन सा है ?

(A) यह जानवरों की वृद्धि नाप सकता है। **(B) यह पौधों में परिसंचारी तन्त्र का होना सिद्ध करता है।**

(C) यह पक्षियों में गति को नाप सकता है। **(D) यह कीटों में विकास को माप सकता है।**

उत्तर – (B) यह पौधों में परिसंचारी तन्त्र का होना सिद्ध करता है

प्रश्न 18. प्रसिद्ध नृत्यशैली कथकली को किस भारतीय राज्य में प्रदर्शित किया जाता है ?

(A) ओडिशा **(B) गुजरात**

(C) बिहार **(D) केरल**

उत्तर – (D) केरल

प्रश्न 19. निम्नलिखित में से कोरिया में पहली बार आने वाला बौद्ध भिक्षु कौन था ?

(A) सुन्डो **(B) शिन्तो**

(C) शित्तन **(D) सिद्धम**

उत्तर – (A) सुन्डो

प्रश्न 20. श्रीलंका में सिगिरिया क्यों प्रसिद्ध है ?

(A) अपने उद्योगों के लिये **(B) अपने चर्चों के लिये**

(C) अपने मठों की गुफाओं के लिये **(D) रामायण की कहानियों के लिये**

उत्तर – (C) अपने मठों की गुफाओं के लिये

खण्ड - ख

प्रश्न 21. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(a) सामाजिक और राजनैतिक रूप से जीवन जीने के उत्तरोत्तर उत्तम तरीकों तथा चारों ओर की प्रकृति के बेहतर उपयोग को .... कहा जा सकता है।

उत्तर – सभ्यता

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(b) त्यौहार .... को अभिव्यक्त करने और मनाने का एक महत्त्वपूर्ण तरीका है।

उत्तर – सांस्कृतिक

प्रश्न 22. रिक्त स्थान भरिए :

जो संस्कृति हम अपने पूर्वजों से प्राप्त करते हैं उसे .... विरासत कहते हैं। यह विरासत कई स्तरों पर विद्यमान होती है। मानवता ने सम्पूर्ण रूप से जिस संस्कृति को अपनाया उसे .... की विरासत कहते हैं। एक राष्ट्र भी संस्कृति को विरासत के रूप में प्राप्त करता है जिसे राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत कहते हैं।

उत्तर – सांस्कृतिक, मानवता

प्रश्न 23. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक शब्द / एक नाम या एक वाक्यांश में दीजिये :

(a) मध्यकाल में विशिष्ट वर्ग विलासिता पूर्ण जीवन क्यों जीता था ?

उत्तर – क्योंकि उन्होंने सारी शक्ति और सारा धन अपने हाथों में ले लिया था।

(b) सुल्तान, ऐशो आराम और अंदाज में रहने के मामले में क्यों विशिष्ट वर्ग से आगे रहते थे ?

उत्तर – अपनी सर्वोच्चता और अपने पद को बनाए रखने के लिए।

प्रश्न 24. रिक्त स्थान भरिए :

13वीं शताब्दी में भक्ति और .... आन्दोलन का उदय हुआ। दोनों ही आन्दोलन यह मानते थे कि .... सर्वोच्च है और सभी मनुष्य उनके समान हैं।

उत्तर – सूफी, ईश्वर / प्रभु

प्रश्न 25.आयुर्वेद के किन्हीं दो योगदानों की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर – आयुर्वेद के दो योगदान :

1. त्रिदोष वात, पित्त और कफ के सिद्धांत पर आधारित स्वस्थ शरीर की अवधारणा।

2. जड़ी-बूटियों की चिकित्सकीय विशेषताओं की विस्तृत जानकारी।

प्रश्न 26. रिक्त स्थान भरिए :

अध्ययन बताते हैं कि उर्दू को छोड़कर सभी उत्तर .... भाषाओं का उद्गम प्राचीन .... लिपि से हुआ है।

उत्तर – भारतीय, ब्राह्मी

प्रश्न 27. सही तथा गलत कथन की पहचान कीजिए :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(a) 19वीं शताब्दी में सुधार आंदोलन बंगाल के बाद पश्चिमी भारत तक फैल गया ।

उत्तर – सही

(b) बाल शास्त्री जाम्बेकर ने ब्राह्मणों की रूढ़िवादिता पर आक्रमण नहीं किया ।

उत्तर – गलत

प्रश्न 28. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक शब्द/ एक नाम या एक वाक्यांश में दीजिये :

(a) आर्य समाज की स्थापना किसने की थी ?

उत्तर – स्वामी दयानन्द सरस्वती

(b) आर्य समाज के संस्थापक का मूल नाम क्या था ?

उत्तर – मूलशंकर

प्रश्न 29. रिक्त स्थान भरिए :

सिंह सभाओं (1870) के प्रयासों तथा .... की सहायता से .... में 1892 में खालसा कॉलेज की स्थापना की गई।

उत्तर – ब्रिटिश, अमृतसर

प्रश्न 30. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक शब्द/ एक नाम या एक वाक्यांश में दीजिये :

(a) 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश सरकार द्वारा स्त्रियों से संबंधित केवल कुछ ही कानून क्यों बनाये गये ?

उत्तर – क्योंकि अंग्रेज़ समाज के केवल रूढ़िवादी उच्च वर्ग को प्रसन्न करना चाहते थे।

(b) ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय समाज से बहुत से अंधविश्वास क्यों गायब हो गये ?

उत्तर – पाश्चात्य शिक्षा, आधुनिक विचारों और सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के कारण।

प्रश्न 31. हुमायूँ और अकबर ने चित्रकला को किस प्रकार बढ़ावा दिया ? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर – हुमायूँ ने अपने दरबार में दो पारसी चित्रकारों मीर सैयद अली और अब्दुस समद को प्रश्रय दिया। अकबर ने भी कलाकारों को संरक्षण दिया, जिससे पारसी और भारतीय शैली के मिश्रण से स्वतंत्र मुग़ल चित्रकला शैली का विकास हुआ।

प्रश्न 32. निम्नलिखित में से कौन से जोड़े सही मेलित हैं ?

A	B
(a) गेहूँ	**कश्मीर**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(b) अदरक **खरीफ़**

(c) तम्बाकू **गोआ के जेसुइट**

(d) आम की कलम **त्रिपुरा**

उत्तर – (b) अदरक - खरीफ़

प्रश्न 33. सही तथा गलत कथन की पहचान कीजिए :

(a) वाराणसी शिक्षा का एक केन्द्र नहीं था ।

उत्तर – गलत

(b) जैनों द्वारा यशतिलक का शैक्षिक प्रयोजनों के लिये उपयोग किया गया ।

उत्तर – सही

प्रश्न 34. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक शब्द/एक नाम या एक वाक्यांश में दीजिये :

(a) चरक को क्यों जाना जाता है ?

उत्तर – चिकित्सा विज्ञान (आयुर्वेद) के प्रामाणिक ग्रंथों के लेखन के लिए।

(b) सुश्रुत को क्यों जाना जाता है ?

उत्तर – शल्य क्रिया (सर्जरी) में उनके अप्रतिम योगदान के लिए।

प्रश्न 35. रिक्त स्थान भरिए :

प्राचीन भारत में जीवन के चारों .... केवल मानव के वास्तविक जन्म से नहीं बल्कि .... संस्कार से ही प्रारम्भ होती थीं। अतः बालक जनेऊ संस्कार होने के बाद ही समाज का पूर्ण सदस्य बन पाता था ।

उत्तर – आश्रम, उपनयन

खण्ड – ग

प्रश्न 36. मुहम्मडन लिटरेरी सोसाइटी की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

उत्तर – मुहम्मडन लिटरेरी सोसाइटी की दो विशेषताएँ

1. आधुनिक शिक्षा : इसका प्रमुख उद्देश्य मुसलमानों के बीच अंग्रेजी और आधुनिक पश्चिमी शिक्षा के प्रति रुचि उत्पन्न करना था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. तार्किक दृष्टिकोण : यह संस्था आधुनिक विचारों की रोशनी में धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रश्नों पर तार्किक ढंग से विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करती थी।

OR/अथवा

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर – यह आधुनिक विज्ञान और संस्कृति के प्रचार का प्रमुख केंद्र था। इसने मुसलमानों में शैक्षिक जागृति लाने, उर्दू भाषा को लोकप्रिय बनाने और आधुनिक शिक्षा प्रदान करने में भूमिका निभाई।

प्रश्न 37. प्राचीन भारत के दो विश्वविद्यालयों के नाम लिखिए, एक बिहार में तथा दूसरा उत्तर-पश्चिमी भारत में स्थित था ।

उत्तर – बिहार में स्थित प्रमुख विश्वविद्यालय 'नालंदा' था, जबकि उत्तर-पश्चिमी भारत में स्थित प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र 'तक्षशिला' था।

प्रश्न 38. 1904 के भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम की गतिविधियों की परख कीजिए ।

उत्तर – इस अधिनियम ने विश्वविद्यालयों पर सरकारी नियंत्रण को सुदृढ़ किया। इसने विश्वविद्यालयों को केवल परीक्षा लेने के बजाय अध्ययन और शोध कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया।

प्रश्न 39. जनजातीय लोगों के जीवन के किन्हीं दो विशेष लक्षणों की परख कीजिए ।

उत्तर – 1. जनजातियों का प्रकृति और वनों के साथ गहरा और अटूट जुड़ाव होता है।

2. इनकी अपनी विशिष्ट सामाजिक संरचना होती है जिसमें सभी सदस्य समान होते हैं।

OR/अथवा

कोई जनजाति संख्यात्मक रूप से कैसे महत्त्वपूर्ण हो जाती है ? ऐसी एक जनजाति का नाम लिखिये ।

उत्तर – जब किसी जनजाति की जनसंख्या अत्यधिक जैसे 30 लाख से अधिक हो जाती है, तो वह संख्यात्मक रूप से महत्वपूर्ण होती है। उदाहरण- 'गोंड' जनजाति।

प्रश्न 40. प्राचीन व्यापार मार्ग को रेशम मार्ग के नाम से क्यों जाना जाता था ?

उत्तर – इसे 'रेशम मार्ग' इसलिए कहा जाता था क्योंकि इस मार्ग के माध्यम से चीन से पश्चिम की ओर जाने वाला सबसे मूल्यवान उत्पाद रेशम था।

OR/अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

भारतीय संस्कृति जापान किस प्रकार पहुँची ?

उत्तर – भारतीय संस्कृति जापान में कोरिया के माध्यम से पहुंची। सम्राट शोतोकुताइशी के काल में बौद्ध ग्रंथों और भारतीय सांस्कृतिक तत्वों का जापान में प्रसार हुआ।

खण्ड – घ

प्रश्न 41. भारत में संगीत की प्रारम्भिक परंपराओं के बारे में तीन तथ्यों को स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर – भारत में संगीत की प्रारम्भिक परंपराओं के बारे में तीन तथ्य :

1. भारतीय संगीत की प्राचीन जड़ें 'सामवेद' में निहित हैं, जहाँ मंत्रों को स्वरबद्ध कर गाया जाता था।

2. वैदिक काल में वीणा, बाँसुरी और मृदंग जैसे वाद्य यंत्रों का उपयोग होता था।

3. संगीत का प्रयोग केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठानों को पूर्ण करने के लिए अनिवार्य रूप से किया जाता था।

प्रश्न 42. श्रीनिवास रामानुजन के किन्हीं तीन योगदानों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – श्रीनिवास रामानुजन के किन्हीं तीन योगदान :

1. रामानुजन ने संख्या सिद्धांत (नंबर थ्योरी) में क्रांतिकारी शोध कार्य किए।

2. उन्होंने 'इनफाइनाइट सीरीज़' (अनंत श्रृंखला) और 'कंटिन्यूड फ्रेक्शन्स' के अत्यंत जटिल गणितीय समीकरणों को हल किया।

3. उनके द्वारा दिए गए 'रामानुजन प्राइम' और थीटा फंक्शन के सूत्र आज भी उच्च गणित में महत्वपूर्ण हैं।

प्रश्न 43. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर दी जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर – व्यावसायिक शिक्षा छात्रों को व्यावहारिक कौशल और तकनीकी ज्ञान प्रदान करती है, जिससे वे उद्योग जगत की वास्तविक जरूरतों के लिए तैयार होते हैं। यह शिक्षा रोज़गार के अवसर बढ़ाती है, बेरोजगारी कम करती है और छात्रों को शिक्षा पूरी करने के तुरंत बाद आत्मनिर्भर बनने में मदद करती है।

OR/अथवा

भारतीय शिक्षा प्रणाली में हुए किन्हीं तीन विकासों की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर – 1. 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने राष्ट्रीय विकास और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए गुणात्मक सुधार पर जोर दिया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. 1986 की नई राष्ट्रीय नीति ने 15-35 आयु वर्ग के लिए साक्षरता मिशन शुरू किया।

3. दूरस्थ और मुक्त शिक्षा जैसे ओपन स्कूल के माध्यम से शिक्षा का लोकतंत्रीकरण किया गया।

प्रश्न 44. ओदन्तपुरी के विश्वविद्यालय के बारे में तीन तथ्यों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – ओदन्तपुरी के विश्वविद्यालय के बारे में तीन तथ्य :

1. ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना बिहार में पाल वंश के शासकों द्वारा की गई थी।

2. यह नालंदा के बाद बौद्ध शिक्षा और दर्शन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र था।

3. इस विश्वविद्यालय के अनेक बौद्ध भिक्षु तिब्बत जाकर धर्म प्रचार के लिए विख्यात हुए।

OR/अथवा

आचार्य कमलशील के योगदानों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – आचार्य कमलशील के योगदान :

1. आचार्य कमलशील नालंदा विश्वविद्यालय के एक प्रबुद्ध विद्वान थे।

2. उन्हें तिब्बत के राजा द्वारा बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए आमंत्रित किया गया था।

3. तिब्बत में उनकी मृत्यु के पश्चात उनके शरीर को ल्हासा के विहार में सुरक्षित रखा गया था, जो उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है।

प्रश्न 45. तिब्बत के राजा नरदेव द्वारा अपने देश में बौद्ध धर्म के प्रसार के लिये किये गये प्रयत्नों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर – राजा नरदेव ने तिब्बत में बौद्ध धर्म को राज्य धर्म घोषित किया। उन्होंने अपने विद्वानों को भारत भेजकर बौद्ध शास्त्रों का अध्ययन करवाया, भारतीय भिक्षुओं को तिब्बत आमंत्रित किया, और संस्कृत ग्रंथों का तिब्बती भाषा में अनुवाद करवाकर बौद्ध धर्म का व्यापक प्रसार किया।

OR/अथवा

तिब्बती भाषा के विकास तथा शिक्षा के क्षेत्र में थोन्मी सम्भोट के कार्यों की व्याख्या कीजिये ।

उत्तर – तिब्बती भाषा के विकास तथा शिक्षा के क्षेत्र में थोन्मी सम्भोट के कार्य :

1. थोन्मी सम्भोट ने भारतीय लिपि के आधार पर तिब्बती लिपि का आविष्कार किया।

2. उन्होंने पाणिनी के संस्कृत व्याकरण के आधार पर तिब्बती व्याकरण की रचना की।

3. उन्होंने संस्कृत ग्रंथों का तिब्बती भाषा में अनुवाद करने की नींव रखी, जिससे शिक्षा का प्रसार हुआ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खण्ड – ड़

प्रश्न 46. "संस्कृति हमें शाश्वत तथा वैश्विक (सार्वभौमिक) मूल्यों से जोड़ती है।" इस कथन की परख कीजिए ।

उत्तर – यह कथन पूरी तरह सत्य है कि संस्कृति हमें शाश्वत और सार्वभौमिक मूल्यों से जोड़ती है। क्योंकि

1. संस्कृति हमारे सोचने और कार्य करने का तरीका है। यह हमारे विचारों, आदर्शों, विश्वासों और जीवन शैली का प्रतीक है।

2. भारतीय संस्कृति के मूल में 'सत्यम, शिवम, सुंदरम' (सत्य, कल्याण और सौंदर्य) की भावना है, जो कभी नहीं बदलती।

3. यह संस्कृति हमें अहिंसा, सहिष्णुता और 'वसुधैव कुटुम्बकम' (पूरा विश्व एक परिवार है) जैसे वैश्विक मूल्यों से जोड़ती है।

4. संस्कृति हमें नैतिक बनाती है। यह कला, दर्शन और धर्म के माध्यम से हमें सत्य की खोज करना सिखाती है। प्रेम, शांति और करुणा का पाठ पढ़ाकर यह हमें एक श्रेष्ठ इंसान बनाती है।

5. विश्व के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोगों के बीच संस्कृति एक मानसिक और आध्यात्मिक एकता स्थापित करती है, जो मानव समाज को एकजुट रखने में मदद करती है।

प्रश्न 47. 18वीं शताब्दी के दौरान भारत के व्यापार और वाणिज्य की स्थिति की व्याख्या कीजिये ।

उत्तर – 1. समृद्ध निर्यात : 18वीं शताब्दी के आरम्भ में भारत विश्व का सबसे बड़ा निर्यातक था। यहाँ के सूती वस्त्र, रेशम, मसाले और हस्तशिल्प की पूरी दुनिया में भारी माँग थी।

2. व्यापारिक आयात : भारत फारसी खाड़ी के देशों और चीन से विलासी वस्तुएँ, चीनी मिट्टी के बर्तन, सोना और कीमती धातुएँ आयात करता था।

3. युद्धों का प्रभाव : लगातार होने वाले युद्धों और राजनैतिक अस्थिरता के कारण कृषि और व्यापार प्रभावित हुए। नादिरशाह और अहमद शाह अब्दाली के आक्रमणों ने अर्थव्यवस्था को काफी क्षति पहुँचाई।

4. ब्रिटिश आर्थिक शोषण : 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने व्यापार पर एकाधिकार कर लिया। उन्होंने भारतीय कारीगरों का शोषण किया और उन्हें बहुत कम कीमतों पर माल बेचने के लिए मजबूर किया।

5. उद्योगों का पतन : इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के बाद, भारत में बना माल वहाँ के मशीनी उत्पादों का मुकाबला नहीं कर सका। भारत धीरे-धीरे तैयार माल का निर्यातक बनने के बजाय कच्चे माल का आपूर्तिकर्ता बनकर रह गया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 48. मध्यकाल में पंजाबी और उसके साहित्य में वृद्धि का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – मध्यकाल में पंजाबी और उसके साहित्य में वृद्धि :

1. सिख गुरुओं का योगदान : गुरु नानक देव जी और अन्य गुरुओं ने अपने उपदेश आम जनता की भाषा 'पंजाबी' में दिए, जिससे पंजाबी का एक साहित्यिक भाषा के रूप में विकास हुआ।

2. गुरुमुखी लिपि : पाँचवें गुरु अर्जुन देव जी ने 'आदि ग्रंथ' का संकलन किया और 'गुरुमुखी' लिपि को एक स्पष्ट और मानकीकृत स्वरूप प्रदान किया।

3. सूफी संतों की भूमिका : बाबा फरीद के श्लोकों और बुल्ले शाह की 'काफियों' (सूफी गीतों) ने पंजाबी साहित्य को एक नई गहराई और रहस्यवाद प्रदान किया।

4. किस्सा काव्य : मध्यकाल में 'हीर-रांझा', 'ससी-पुन्नू' जैसी लोक-कथाओं ने पंजाबी साहित्य को लोक-प्रिय बनाया। वारिस शाह की 'हीर' पंजाबी साहित्य का सबसे प्रसिद्ध महाकाव्य बनी।

5. सांस्कृतिक प्रभाव : इन रचनाओं ने पंजाबी साहित्य को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी अत्यंत समृद्ध बनाया, जिसने आगे चलकर आधुनिक पंजाबी साहित्य का मार्ग प्रशस्त किया।

प्रश्न 49. भारत में नृत्य और संगीत को बढ़ावा देने में मुस्लिम शासकों की भूमिका की परख कीजिये ।

उत्तर – भारत में नृत्य और संगीत को बढ़ावा देने में मुस्लिम शासकों की भूमिका :

1. कला का संगम : मुस्लिम शासकों के आगमन से भारतीय और फारसी संगीत शैलियों का अनूठा संगम हुआ, जिससे 'इंडो-इस्लामिक' संस्कृति का विकास हुआ।

2. अमीर खुसरो का योगदान : अमीर खुसरो ने 'ख्याल' गायन शैली की शुरुआत की और सितार व तबला जैसे नवीन वाद्य यंत्रों का आविष्कार किया, जो भारतीय संगीत की नींव बने।

3. मुग़ल सम्राटों का संरक्षण : अकबर के दरबार में तानसेन जैसे महान संगीतज्ञ हुए जिन्होंने कई नए रागों की रचना की। जहाँगीर और शाहजहाँ के काल में भी दरबारी संगीत और कथक नृत्य का खूब आयोजन होता था।

4. कथक का विकास : मुग़ल दरबारों में कथक नृत्य शैली को विशेष प्रोत्साहन मिला, जहाँ इसे प्रेम भाव से युक्त होकर प्रस्तुत किया जाता था।

5. शास्त्रीय और लोक संगीत का मेल : औरंगजेब को छोड़कर अन्य शासकों ने कला को बढ़ावा दिया, जिससे हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत का स्वतंत्र स्कूल विकसित हुआ और लोक संगीत भी फल-फूला।

OR/अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

भारत में लोक नृत्यों की लोकप्रियता की परख कीजिये ।

उत्तर – भारत में लोक नृत्यों की लोकप्रियता :

1. लोक नृत्यों का उद्भव : लोक नृत्य आम लोगों के जीवन से विकसित हुए हैं। ये नृत्य हर्ष, शोक, फसलों की कटाई और नई ऋतुओं के आगमन जैसे अवसरों पर समूह में प्रस्तुत किए जाते हैं।

2. क्षेत्रीय विविधता : भारत के प्रत्येक राज्य ने अपनी अनूठी नृत्यशैली विकसित की है, जिनमें स्थानीय तत्वों का समावेश होता है। जैसे- गुजरात का 'गरबा', पंजाब का 'भांगड़ा' और 'गिद्दा', और महाराष्ट्र का 'कोली' नृत्य।

3. धार्मिक और सामाजिक महत्व : लोक नृत्य केवल मनोरंजन नहीं हैं, बल्कि ये सामाजिक-धार्मिक रस्मों का हिस्सा हैं। उदाहरण के लिए, असम का 'बिहू' फसलों की कटाई का उत्सव है, जबकि मिजोरम का 'बांस नृत्य' और कश्मीर का 'धूमल' अपनी विशिष्टता रखते हैं।

4. मार्शल (युद्ध) नृत्य : भारत में लोक नृत्यों के साथ-साथ युद्धकला पर आधारित नृत्य भी प्रचलित हैं। इनमें उत्तराखंड का 'छोलिया', केरल का 'कलारीपयट्टू' और मणिपुर का 'थांग-ता' अत्यंत प्रसिद्ध हैं।

5. आधुनिक लोकप्रियता : आज लोक नृत्य केवल गाँवों तक सीमित नहीं हैं। गणतंत्र दिवस समारोहों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विद्यालयों के उत्सवों में इन्हें बड़े सम्मान के साथ प्रदर्शित किया जाता है, जिससे इनकी लोकप्रियता देश-विदेश में बढ़ी है।

प्रश्न 50. जनजातियों की किन्हीं पाँच विशिष्टताओं का वर्णन कीजिये ।

उत्तर – जनजातियों की किन्हीं पाँच विशिष्टताएँ :

1. भौगोलिक अलगाव : जनजातियाँ मुख्य रूप से वनों, पहाड़ियों या दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती हैं। यह अलगाव उन्हें अपनी विशिष्ट परंपराओं को बचाने में मदद करता है।

2. प्रकृति पर निर्भरता : इनका पूरा जीवन जंगल के संसाधनों भोजन, औषधि, आश्रय पर निर्भर है। शिकार और झूम कृषि इनके मुख्य आधार हैं।

3. समतावादी समाज : जनजातीय समाज में जातिगत भेदभाव या उच्च-नीच का भाव नहीं होता। यहाँ सभी सदस्य समान होते हैं और महिलाओं को पुरुषों के बराबर स्वतंत्रता होती है।

4. धार्मिक विश्वास : इनका धर्म प्रकृति की पूजा पर आधारित है। ये पहाड़, नदी, वृक्ष और पशु-पक्षियों में देवताओं का वास मानते हैं।

5. सामुदायिक भावना : यहाँ व्यक्तिगत संपत्ति के बजाय सामुदायिक संपत्ति का महत्व है। सभी सामाजिक कार्य, त्योहार और रस्में पूरे कबीले द्वारा मिल-जुलकर किए जाते हैं।

OR/अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रारम्भिक वैदिक जनजातियों का वर्णन कीजिये।

उत्तर – प्रारम्भिक वैदिक जनजातियां :

1. वैदिक युग में समाज जनजाति समूहों में विभाजित था। ये प्राचीन नृजातीय-सामाजिक संगठनों के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं।

2. ऋग्वेद काल में भरत, यदु, तुर्वस, द्रुह्यु, पुरू और अनु कुछ प्रमुख आदिम जनजातीय समूह थे।

3. इन समूहों का मुखिया 'राजा' कहलाता था, जो सभी समकक्षों (समान लोगों) में प्रथम माना जाता था।

4. इन समूहों की पहचान खून के रिश्तों और समान पूर्वजों की संतान होने के विश्वास से थी। ये समूह संसाधनों पर समान अधिकार रखते थे और यहाँ केवल आयु व लिंग के आधार पर ही भेदभाव होता था।

5. जो लोग इन जनजाति समूहों का हिस्सा नहीं होते थे, उन्हें 'दास वर्ण' कहा जाता था। उनकी भाषा, देवता और शारीरिक रंग (काला रंग) इन समूहों से भिन्न होते थे, जिससे समाज में प्रारंभिक भेदभाव के संकेत मिलते थे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success